



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 530] नई दिल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 11, 1990/अग्रहायण 20, 1912
No. 530] NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 11, 1990/AGRAHAYANA 20, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 11 दिसम्बर, 1990

सा. का. नि. 942 (घ).—केन्द्रीय सरकार, रेल अधिनियम, 1989
(1989 का 24) की धारा 87 की उपधारा (2) के खंड (ज) और
(झ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती
है; अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :

1. इन नियमों का संक्षिप्त नाम खुला परिदान देने की रीति
और आंशिक परिदान प्रमाण-पत्र प्रणाली विहित किया जाना,
नियम 1990 है।

2. ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषा :

इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) "अधिनियम" से रेल अधिनियम, 1989 (1989 का 24)
अभिप्रेत है।

(ख) "खुला परिदान" से ऐसे परेण का परिदान अभिप्रेत है जो
परिवर्ती या पुष्ठांकित की मांग पर रेल प्रशासन द्वारा तब
दिया जाता है जब ऐसा परेण अनियन्त अवस्था में
पहुँचना है या उस पर बिगाड़े जाने के संकेत मिलते हैं।

(ग) "आंशिक परिदान" से जब सम्पूर्ण परेण गंत्य स्थान पर
नहीं पहुँचा हो तब परेण के एक भाग का परिदान अभिप्रेत
है।

(घ) "अनुसूची" से इन नियमों की अनुसूची अभिप्रेत है।

(ङ) उन शब्दों और पदों के जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और
किन्तु परिभाषित नहीं हैं, और जो अधिनियम में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगे जो उनके क्रमशः उस अधिनियम में है।

3 परेण का खुला परिदान :

जब कोई परेण गंत्य स्टेशन पर क्षतिग्रस्त अवस्था में पहुँचना है
या उसे बिगाड़े जाने के संकेत मिलते हैं तो परिवर्ती या पुष्ठांकित इन
नियमों के अनुसार ऐसे परेण के खुले परिदान के लिए रेल प्रशासन से
लिखित रूप में अनुरोध कर सकेगा।

परन्तु क्षति की किसी मात्रा के किसी निर्धारण से इस अधिनियम को अधीन अपने दायित्व का निराकरण करने के रेल प्रशासन के अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

4. शर्तें जिनके अध्वधीन किसी क्षतिग्रस्त परेषण का खुला परिदान सौपा जाएगा।

रेल प्रशासन किसी क्षतिग्रस्त परेषण का खुला परिदान इस शर्त के अध्वधीन रहने हुए दे सकेगा कि परेषण की क्षति की मात्रा का निर्धारण ऐसा खुला परिदान देने वाले रेल सेवक द्वारा छुष्टिक जांच, और ऐसे अन्य रासायनिक या भौतिक परीक्षणों के आधार पर जो वह आवश्यक समझे, किया जाएगा।

5. शर्तें जिनके अध्वधीन गड़बड़ किए गए परेषणों का खुला परिदान सौपा जाएगा।

रेल प्रशासन गड़बड़ किए गए परेषणों के खुले परिदान को निम्नलिखित शर्तों के अध्वधीन रहने हुए सौप सकेगा, अर्थात्:—

- (1) कमी की मात्रा का निर्धारण खुला परिदान सौपने वाले रेल सेवक द्वारा परेषिनी या पृष्ठांकितों द्वारा प्रस्तुत की गई रेल रसीद में अभिलिखित बहन के लिए बुक किए गए परेषण के व्योरे का मिलान करने के पश्चात् किया जाएगा।
- (2) कमी की मात्रा का निर्धारण रैकेजों या परेषण की भाग रूप अन्तर्वस्तु की वस्तुगत गणना करने या वजन करके भी किया जा सकता है।

6. क्षति या कमी के मूल्य का निर्धारण

परेषिनी या पृष्ठांकितों खुला परिदान सौपने वाले रेल सेवक को कमी या क्षति की संगणना करने के लिए समर्थ बनाने हेतु परेषण की अन्तर्वस्तु और मूल्य को उपदर्शित करने वाला मूल व्यापार बीजक या बीजक या पट्टी या कोई अन्य दस्तावेजों मंगल प्रस्तुत करेगा।

7. प्रायान्त परेषण

प्रायान्त परेषणों की बाबत नियम 4 और 5 के अधीन खुला परिदान परेषिनी या पृष्ठांकितों को अधिसूचना और निकासी अधिकारों मिल और यदि ऐसे परेषण का तब सर्वेक्षण किया गया हो तो ऐसे परेषणों की सर्वेक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करने के अधीन रहते हुए सौपा जाएगा।

8. खुले परिदान का अभिलेख

- (1) प्रत्येक परेषण की बाबत खुले परिदान का अभिलेख अनुसूची 1 में विनिर्दिष्ट प्रारूप में रखा जाएगा।
- (2) उप नियम 1 में निरिष्ट प्रारूप की एक प्रति अध्यास्थिति, परेषिनी या पृष्ठांकितों को भी जाएगी।

9. आंशिक परिदान प्रमाणपत्र

जहाँ आंशिक परिदान सौपा जाता है—वहाँ रेल प्रशासन परेषिनी या पृष्ठांकितों को अनुसूची 2 में विनिर्दिष्ट आंशिक परिदान प्रमाणपत्र देगा।

[सं. 89-टी नो 3/29/2 और ए. / 89 (खण्ड S1)]

सु. कु. मलिक, निदेशक,
धानायात बाणिज्य (दावा) रेलवे बोर्ड

अनुसूची-1

(नियम 4 और 5 देखें)

परेषण के खुले परिदान का अभिलेख

सं.-----तारीख-----स्टेशन भुवरा-----से
-----वाया-----बीजक सं.-----रेल रसीद सं.-----
तारीख-----परेषण-----वैगत सं.-----
प्रेषक-----परेषिनी/पृष्ठांकितों-----

रेल रसीद पर टिप्पण

खुला परिदान सौपने के समय पैकिंग की जायी गई वास्तविक अवस्था--
(यहां सुसंगत हो)---

परिदान टिप्पण (क्षति/कमी की मात्रा और कैसे निरासी)-----

खुला परिदान लेने वाले परेषिनी/ खुला परिदान सौपने वाले रेल
पृष्ठांकितों या उसके प्राधिकृत प्रतिनिधि सेवक के पदाभिधान सहित
के तारीख सहित पूरे हस्ताक्षर पूरे हस्ताक्षर

परेषिनी/पृष्ठांकितों/या उसके प्राधिकृत प्रतिनिधि का नाम

पूरा पता -----

अनुसूची-2

आंशिक परिदान प्रमाणपत्र

(नियम 9 देखें)

-----रेल से बीजक सं.-----के
आंशिक रेल रसीद सं.-----तारीख की-----से
-----होकर-----के लिए बुक किए गए-----के
रैकेज जो कि परेषण का भाग है-----के-----रैकेजों का
परिदान किया।

आंशिक परिदान सौपने वाले रेल सेवक
के पदाभिधान सहित पूरे हस्ताक्षर

एम. के. मलिक, निदेशक
धानायात बाणिज्य (दावा)
रेलवे बोर्ड

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

NOTIFICATION

New Delhi, the 11th December, 1990

G.S.R. 942(E).—In exercise of the powers conferred by clauses (h) and (i) of sub-section (2) of section 87 of the Railways Act, 1989 (24 of 1989) the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

1. Short title and commencement:—

1. These rules may be called the Manner of Giving Open Delivery and Prescription of Partial Delivery Certificate Form Rules, 1990.

2. They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. Definition :

In these rules unless the context otherwise requires :—

- (a) "Act" means the Railways Act, 1989 (24 of 1989) ;
- (b) "Open Delivery" means delivery of a consignment given by railway administration on the demand of the consignee or endorsee when such consignment arrives in a damaged condition or shows signs of having been tampered with".
- (c) "Partial Delivery" means delivery of a part of the consignment where the whole consignment has not arrived at the destination ;
- (d) "Schedule" means the Schedule to these rules ;
- (e) words and expressions used herein and not defined in these rules but defined in the Act shall have the meanings respectively assigned to them in the Act.

3. Open delivery of consignment .

Where any consignment arrives at the destination station in a damaged condition or shows signs of having been tampered with, the consignee or the endorsee may make a request in writing to the railway administration for open delivery of such consignment, in accordance with these rules.

Provided that any assessment of the extent of damage shall not prejudice the rights of the railway administration to repudiate its liability under the Act.

4. Condition subject to which open delivery of a damaged consignment shall be given :

A railway administration may give open delivery of a damaged consignment subject to the condition that the extent of damage to the consignment shall be assessed by the railway servant granting such open delivery on the basis of visual examination and such other chemical or physical tests as he may deem necessary.

5. Conditions subject to which open delivery of tampered consignments shall be given .

A railway administration may give open delivery of tampered consignments subject to the following conditions namely :—

(1) Assessment of the extent of shortage shall be done by the railway servant granting open delivery after comparing the details of the consignment booked for carriage as recorded in the railway receipt produced by consignee or the endorsee.

(2) The extent of shortage may, also, either be assessed, by physical counting of the packages and their contents forming the consignment, or by weighing.

6. Assessment of the value of damage or shortage .

The consignee or the endorsee shall produce the original trade invoice or beejuck or puttee or any other documentary proof indicating the contents and value of the consignment to enable the railway servant granting open delivery to compute the shortage or damage.

7. Imported Consignments .

With respect to imported consignments open delivery under rules 4 and 5, shall be given subject to the consignee or endorsee producing the Forwarding Agents clearance bill and if such consignments have been surveyed then, the survey report of such consignments.

8. Record of open delivery :

(1) The record of open delivery shall be maintained in the form specified in Schedule I with respect to each consignment.

(2) A copy of the form referred to in sub rule 1 shall be provided to the consignee or the endorsee as the case may be.

9. Partial Delivery Certificate :

Where partial delivery is given the railway administration shall furnish to the consignee or endorsee a Partial Delivery Certificate as specified in Schedule II.

[No. 89-TCII/29/2/RA/89(Sec. 81)]

S. K. MALIK,

Director, Traffic Commercial (Claims) Railway Board.

SCHEDULE-I

(See Rule 4 & 5)

RECORD OF OPEN DELIVERY OF
CONSIGNMENT

No. _____ Dated _____ Station Stamp
 From _____ To _____
 Via _____ Invoice No. _____
 R. R. No. _____ dated _____
 Consignment of _____ Wagon No. _____
 Sender _____ Consignee/Endorsee _____
 _____ Remarks on the R. R.
 Actual condition of packing found at the time of
 giving open delivery (wherever relevant) _____
 Delivery remarks (Extent of Damage/Shortage and
 how arrived at) _____

Signature in full of
 the consignee/endorsee
 or his authorised
 representative taking
 open delivery with date _____

Signature in full of the
 Railway Servant, with
 designation, granting
 open delivery _____

Name of consignee/endorsee/or
 his authorised representative _____

Full Address _____

SCHEDULE-II

PARTIAL DELIVERY CERTIFICATE

(See Rule 9)

The _____ Railway has delivered
 _____ number of packages of _____
 _____ forming part of the consignment
 booked from _____ to _____
 via _____ under Invoice No. _____
 Railway Receipt No. _____ dated _____
 consisting of _____ packages of _____.

Signature in full of the
 Railway servant, with de-
 signation, granting partial
 delivery.

S. K. MALIK,
 Director, Traffic Commercial (Cl.) Railway Board.